COMICS POWER!

वॉलपोस्टर कॉमिक्स

एक जन–माध्यम

शरद शर्मा

वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

ग्रासरूट्स कॉमिक्स

ग्रासरूट्स कॉमिक्स वो कॉमिक्स हैं जिन्हें कलाकार न बनाकर सामाजिक रूप से सजग लोग स्वयं बनाते हैं, यह उनकी अपनी समझ पर आधारित होते हैं जो उन मुद्दों पर समाज में बहस छेड़ने में मददगार साबित होते हैं। इसके अलावा ये विद्या बेहद सस्ती है और इन्हें बनाने के लिए किसी भारी तकनीक नहीं बल्कि, सिर्फ एक कागज, पेन और फोटोकॉपी भर की जरूरत होती है।

इन कॉमिक्स को स्थानीय स्तर पर वितरण के लिए ही तैयार किया जाता है यही इन्हें दूसरी अभियान सामग्री से अलग बना देता है। ये कॉमिक्स फोटोकॉपी के बाद कुछ आम जगहों पर चिपकाई जाती है जैसे बैठक स्थल, स्कूल, बस स्टॉप, दुकानें, दफ्तर, सूचना पट्ट और यहां तक की बिजली के खम्बों पर भी। आम तौर पर इसके पाठकों को पता होता है कि किस संगठन ने इस कॉमिक्स को वितरित किया है।

इसमें जुड़ाव सबसे महत्त्वपूर्ण बिंदु है। यहां पाठक और जिन लोगों ने इस सूचना के माध्यम को तैयार किया है वे बहुत अलग नहीं है। समाज के आम लोग जिन मुद्दों पर गहराई से सोचते हैं वे उन पर स्वयं अपनी अभियान सामग्री तैयार करते हैं, बजाय कि यह अभियान सामग्री राजधानी या विदेश में बैठा कोई कलाकार बनाकर उनके पास भेजे।

ग्रासरूट्स कॉमिक्स आन्दोलन क्या है

ग्रासरूट्स कॉमिक्स आन्दोलन नब्बे के दशक में शुरू हुआ । समान सोच वाले कुछ कार्टूनिस्ट, विकास पत्रकार एंव कार्यकर्ताओं नें अपनी आजीविका से परे सामाजिक परिवर्तन के लिए कॉमिक्स को बतौर संचार माध्यम के रुप में प्रयोग करने का विचार बनाया।

समाज एवं गैर सरकारी संस्थाओं ने इसे शीघ्र ही स्वीकारा चूंकि इसमें कही जाने वाली कहानियां उनकी अपनी थी। निम्न साक्षरता क्षेत्रों में भी यह माध्यम काफी प्रचलित हुआ।

समझने में आसान और कम लागत में तैयार होना ग्रासरूट्स कॉमिक्स के ऐसे गुण थे जिसके चलते यह गैर सरकारी संगठनों एवं विकास के क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हुआ।

भारत में इन कॉमिक्स की जड़ें मजबूत हुई और यह शीघ्र ही पूरे विश्व भर में फैली । अब यह माध्यम तंजानिया, मोजाम्बिक, ब्राजील, लेबनान, ब्रिटेन, फिनलैण्ड, स्वीडन, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, था. ईलैंड, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ऑस्ट्रेलिया एवं मंगोलिया में कार्यकर्ताओं, संस्थानों, सरकारी संगठनों आदि द्वारा प्रयोग किया जा रहा है। विभिन्न भाषाओं में लिखे मैनुअल हमारी वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

वॉलपोस्टर कॉमिक्स

वॉल पोस्टर कॉमिक्स समुदाय, गैर सरकारी संस्थाओं, समूहों और उन छात्रों को जो किसी खास मुद्दे पर अपनी आवाज उठाना चाहते हैं, के द्वारा तैयार किया जाता है। ये कॉमिक्स सामान्यतः दो A–4 आकार के कागज तथा फोटोकॉपी की सहायता से तैयार किये जाते हैं।

वॉलपोस्टर कॉमिक्स स्थानीय वितरण के लिए बनाए जाते हैं जिससे स्थानीय स्तर पर बहस शुरू हो सके। वॉलपोस्टर को तैयार करने का तरीका बेहद आसान और सस्ता है।

इस गाइड में आप यह सीखेंगे कि किस प्रकार आसान कदमों से आप अपना वॉलपोस्टर तैयार कर सकते हैं।

विषय	पृष्ठ संख्या
वॉलपोस्टर कॉमिक्स	9
सिंडिकेटेड कॉमिक्स	10
विषय और मुद्दे का चुनाव	11
कहानी को लिखना	12
चेहरे के भाव	13
चेहरे के हाव–भाव	14
मानव की आकृति	15
शरीर की अन्य मुद्राएं	16
कहानी को 4–भागों में बांटना	17
विभिन्न प्रकार के गुब्बारे	19
कॉमिक्स में संवाद लिखना	20
अग्रभूमि व पृष्ठभूमि	21
सामान्य गलतियां–1	22
सामान्य गलतियां–2	23
वॉल पोस्टर का अंतिम मापजोख	24
विभिन्न कैमरा एंगल का प्रयोग	25
खुद करके देखें और बनाएं	26
परछाई व गहराई	27
विशेष प्रभाव	28
स्याही भरना	29
शीर्षक	30
कॉमिक्स को चिपकाना और फोटोकॉपी करना	31
आम तौर पर पूछे जाने वाले सवाल	32
समालोचना सत्र	33
कॉमिक्स के उदाहरण	34–36

मेरे रसायन – एक किसान को डर था कि मौसम के अनुकूल न होने के कारण उसकी उपज पर असर पड़ेगा इस कारण उसने ज्यादा मात्रा मे रसायन का उपयोग किया ताकी अच्छी उपज मिले। किन्तु कुछ दिन बाद रसायनिक वर्षा होने से सारी मछलियां और पानी मे रहने वाले जंतु मर गए। यहाँ तक ज्यादा रसायन के कारण संगृहित पानी भी दूषित हो गया और जब वह किसान नहाने गया तो उसकी त्वचा पर भी बुरा असर पड़ा। एक्कसित, थाईलैंड

اور کیا کروں؟؟

~Sudrish Khan~

और क्या करू! – बस स्टॉप पर एक लड़का, लड़की को छेड़ता है। इस बात से परेशान हो कर वो अगले दिन अपने पूरे शरीर को ढक कर आती है। इस पर भी लड़का नहीं रुकता और कहता है, हम ने आपको पहचान लिया। अगले दिन लड़की अपना सिर भी ढक कर आती है। इस पर भी लड़का रोज की तरह उसे तंग करता है। लड़की अब अपना चेहरा भी ढक कर आती है। लेकिन लड़का अब भी नहीं रुकता। और लड़की सोचती हैं कि अब वह और क्या करे ? सुदरिश खान, पाकिस्तान (नोटः दाएं से बाएं पढ़ें)

MIRIN BANDH

BY
KAHORPAM HORAM.

ये बन्द: उखरूल के बाजार में एक महिला सब्जी बेचकर बच्चों की स्कूल की फीस व अपना गुजारा करती है। एक दिन वह बाजार में आगामी बन्द की सूचना को लेकर एक उद्घोषणा सुनती है। लगातार बन्द के चलते उसका कारोबार ठप हो जाता है और फीस न देने के चलते उसके बच्चों को स्कूल से निकाल दिया जाता है। अब घर में खाने को कुछ शेष नहीं बचा वह सोचती है कि इस बन्द से उसका जीवन तबाह हो गया। **कहोरपाम, मणिपुर।**

पुलिस के डंडे से छुटकारा

Samir Pathak

INÉRCIA

FABIANNY MELO

जड़ता–फोर्तालिज़ा की एक मुख्य सड़क पर बदमाश दिन दहाड़े एक लड़की को लूटता है। वहां से गुज़रती एक बस के यात्री उसे देखते हैं। उनमें से एक महिला देखती है कि उस बदमाश के हाथ में कोई हथियार नहीं है, लेकिन रोज़मर्रा की हिंसा से सहमे बाकी लोग चुप्पी साध लेते हैं और चालक बस को वहां से ले जाने में ही अपनी भलाई समझता है। फेबियानी मेलो, ब्राज़ील।

वॉलपोस्टर कॉमिक्स को विभिन्न स्थानों पर चिपकाया जा सकता जैसे घर की दीवार, पेड़, बिजली का खम्भा, स्कूल व कॉलेज के नोटिस बोर्ड, टेलिफोन बूथ, बस स्टॉप, नाई की दुकान आदि। इन कॉमिक्स को साधारण डोरी पर लटका कर या दीवार पर चिपका कर प्रदर्शनी के तौर पर भी तैयार किया जा सकता हैं।

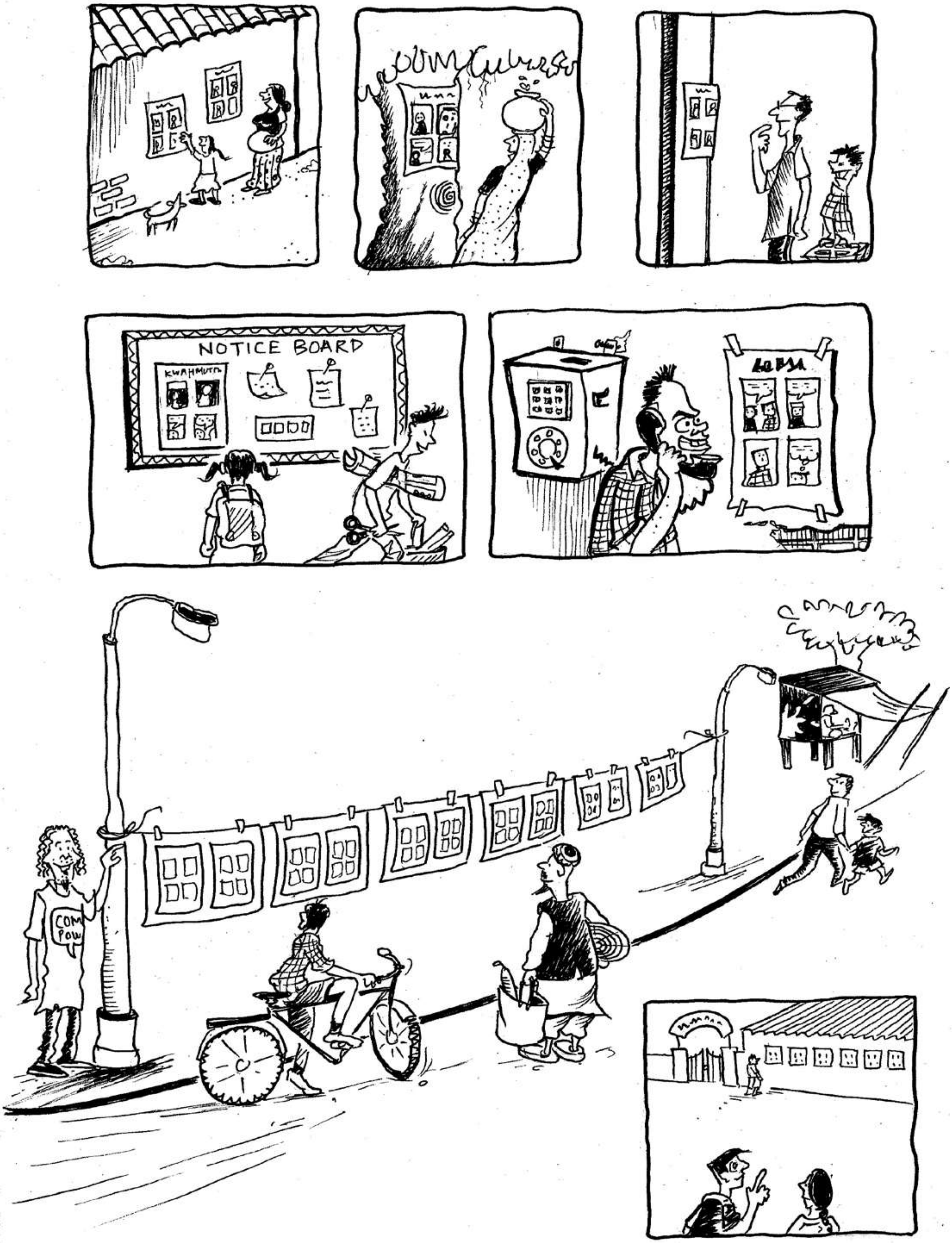

इस चार खानों वाली वॉलपोस्टर कॉमिक्स को कॉमिक्स स्ट्रिप में भी बदला जा सकता है, जैसा कि नीचे दिखाया गया है बाद में इन्हें समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए भी भेजा जा सकता है।

आप भी अपने वॉलपोस्टर कॉमिक्स बना सकते हैं, इन कदमों का प्रयोग करके

विषय और मुद्दे का चुनाव करें

आपको अपनी कॉमिक्स पर कार्य करने से पहले विषय और मुद्दे का चुनाव करना होगा। विषय के आधार पर एक कहानी को बनाएं। आपको यह ध्यान में रखना होगा की कहानी में बहुत ज्यादा मोड़ न हो ।

कहानी में एक ही मुद्दा होना चाहिए, यह हमेशा अच्छा रहता है कि कहानी हमेशा खास विषय के एक ही मुद्दे पर केन्द्रित रहे।

इस अभ्यास में लक्ष्य समूह का निर्धारण हमारी सबसे ज्यादा मदद करता है। यानि कॉमिक्स किस वर्ग के लिए तैयार की जा रही है।

उदाहरण के लिए अगर आपने HIV/AIDS का विषय चुना है तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप HIV/AIDS के किस पहलू पर अपनी कहानी को केन्द्रित करेंगे।

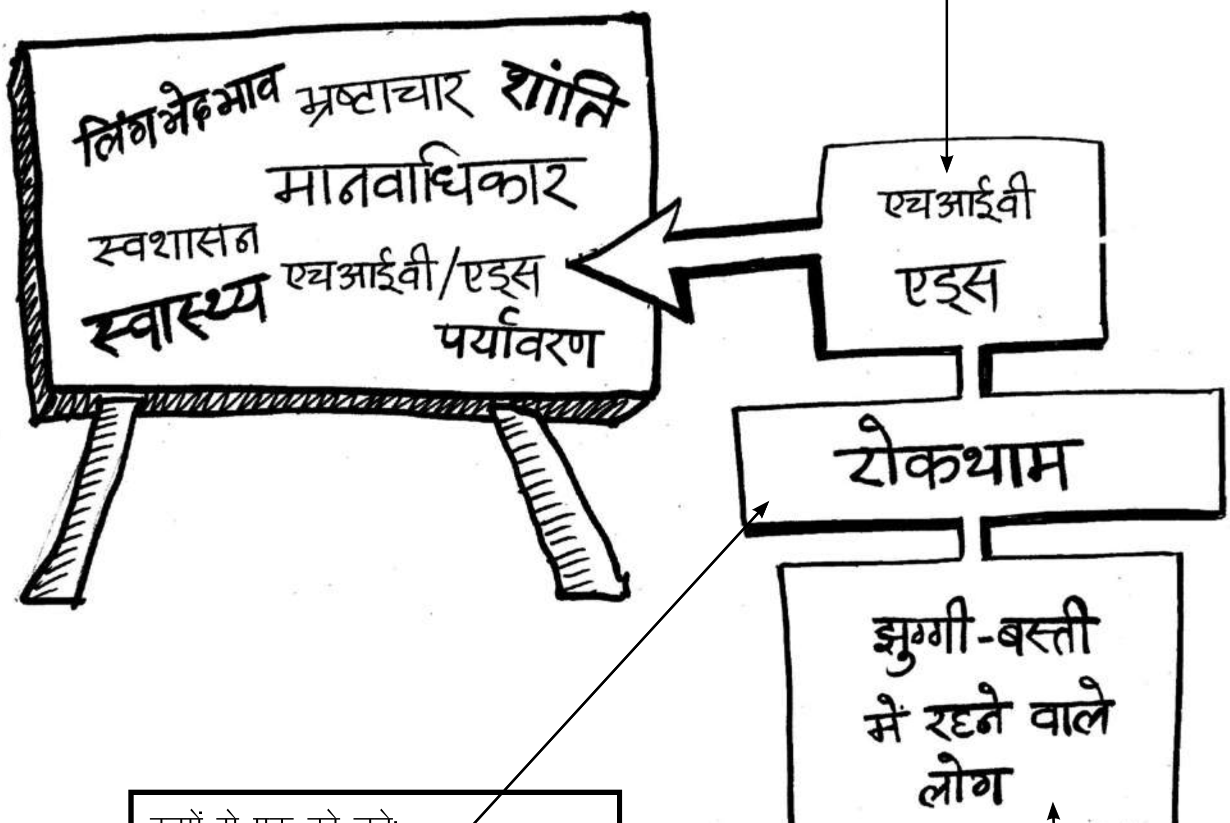

इनमें से एक को चुनेः

बचाव, भेदभाव एवं कलंक, एच.आई.वी. के साथ जीवन, ईलाज, अंधविश्वास एवं वास्तविकता

आपका लक्ष्य समूह कौन सा है ?
जैसेः झुग्गी–बस्ती में रहने वाले लोग

कहानी लिखने के कई प्रकार हैं।

1) कहानी को कुछ उन मजेदार घटनाओं पर आधारित किया जा सकता है जो आपके निजी जीवन में घटित हुई हो या आपने कहीं सुनी हो, जो आप सभी सें बांटना चाहते हैं।
2) आप एक ऐसे मुद्दे के साथ अपनी कहानी को बना सकते हैं जिसे आप समझते है कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है और समाज में एक बहस शुरू कर सकता है।
3) किसी सफल कहानी को भी आप दूसरों के साथ बांट सकते हैं।
4) कुछ विशेष सूचना जैसे कानूनी मुद्दे या सरकारी योजना जैसे शारीरिक विकलागों को विशेष रियायत आदि को भी बांट सकते हैं।

....

कहानी कैसे लिखें ?

आप की अगली चुनौती है अपने चुने हुए मुद्दे पर कहानी लिखना। चुने हुए मुद्दे पर कहानी लिखना कोई मुश्किल भरा कार्य नहीं हैं परन्तु कहानी की शुरूआत करने से पहले कुछ बातों को ध्यान अवश्य रखें :

1. कहानी की एक शुरूआत और अंत होना चाहिए।
2. कहानी में पात्र होने चाहिए।
3. कहानी में अगर कुछ नाटकीयता होगी तो पाठक उसे रूचि के साथ पढ़ेगा।
4. प्रत्येक कहानी का सुखद अंत हो ऐसा जरूरी नहीं है, आपकी कहानी ताजा हालात को बयां करती भी हो सकती है और अंत में आपकी कहानी का पात्र पाठक के लिए प्रश्न छोड़ सकता है।
5. कहानी में एक से ज्यादा मुद्दे नहीं हों।
6. कहानी बहुत लम्बी न हो।
7. यह अच्छा रहेगा अगर आप अपनी कहानी को 10–15 लाईनो में कहे।. (6-7 वाक्य)
8. दूसरों की कहानी की नकल न करें।
9. कहानी में यह जरूर जांच लें कि संदेश कही भड़काउ या किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला न हो।
10. अपनी कहानी में किसी व्यक्ति विशेष या किसी समुदाय को लक्षित न करें।

यहां यह ध्यान में रखने की आवश्यकता है कि हर व्यक्ति निपुण कहानीकार नहीं होता, कहानी में विषय वस्तु और संदेश का होना आवश्यक है न कि कहानी की सजावटी और रोचक भाषा। यह ध्यान में रखने कि आवश्यकता है कि यह केवल लिखी हुई कहानी है, हमारा अंतिम कार्य दृश्य रूप में होगा।

....

असम में आयोजित एक कार्यशाला के दौरान जैसे ही एक प्रतिभागी ने अपनी कहानी को सुनाया अन्य प्रतिभागियों का कहना था कि 'यह कहानी अधूरी है', 'इसमें कोई संदेश नहीं है'। कहानी कुछ इस प्रकार थी 'एक गांव में कोई स्कूल नहीं था गांव वालों ने एक सभा आयोजित की, गांव में एक स्कूल खोला गया और बच्चों ने स्कूल जाना शुरू कर दिया'। इस कहानी पर अपने विचार रखते हुए प्रतिभागियों ने कहा कि इस कहानी में नाटकीयता एवं पात्रों की कमी है। पर जब हमने उस कहानी पर गहन चर्चा कि तब हर एक प्रतिभागी ने यह महसूस किया कि कहानी में जो संदेश निकल कर आ रहा है वह बहुत असरदार है, क्योंकि यह सामाजिक प्रयास के बारे में बताता है। कहानी में बताया जाता है कि कैसे गांव वाले सरकारी मदद के बिना सामुहिक प्रयास से अपने गांव में स्कूल की स्थापना करते हैं। यह प्रभावशाली कहानी अन्य गांव को भी इस प्रकार कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी।

अब हम यहां सीखेंगें कि मानव के सिर को विभिन्न तरीकों से कैसे बनाया जा सकता है। हम अंग्रेजी के दो अक्षर **O** व **T** की मदद से इसे बनाना सीखेंगे।

जैसा कि नीचे चित्रों में दर्शाया गया है, अक्षर **O** अपनी जगह पर स्थिर है तथा अक्षर T का स्थान बदला जाता है। अक्षर T को विभिन्न स्थानों पर रखने से चहरे के विभिन्न भाव प्राप्त होते हैं।

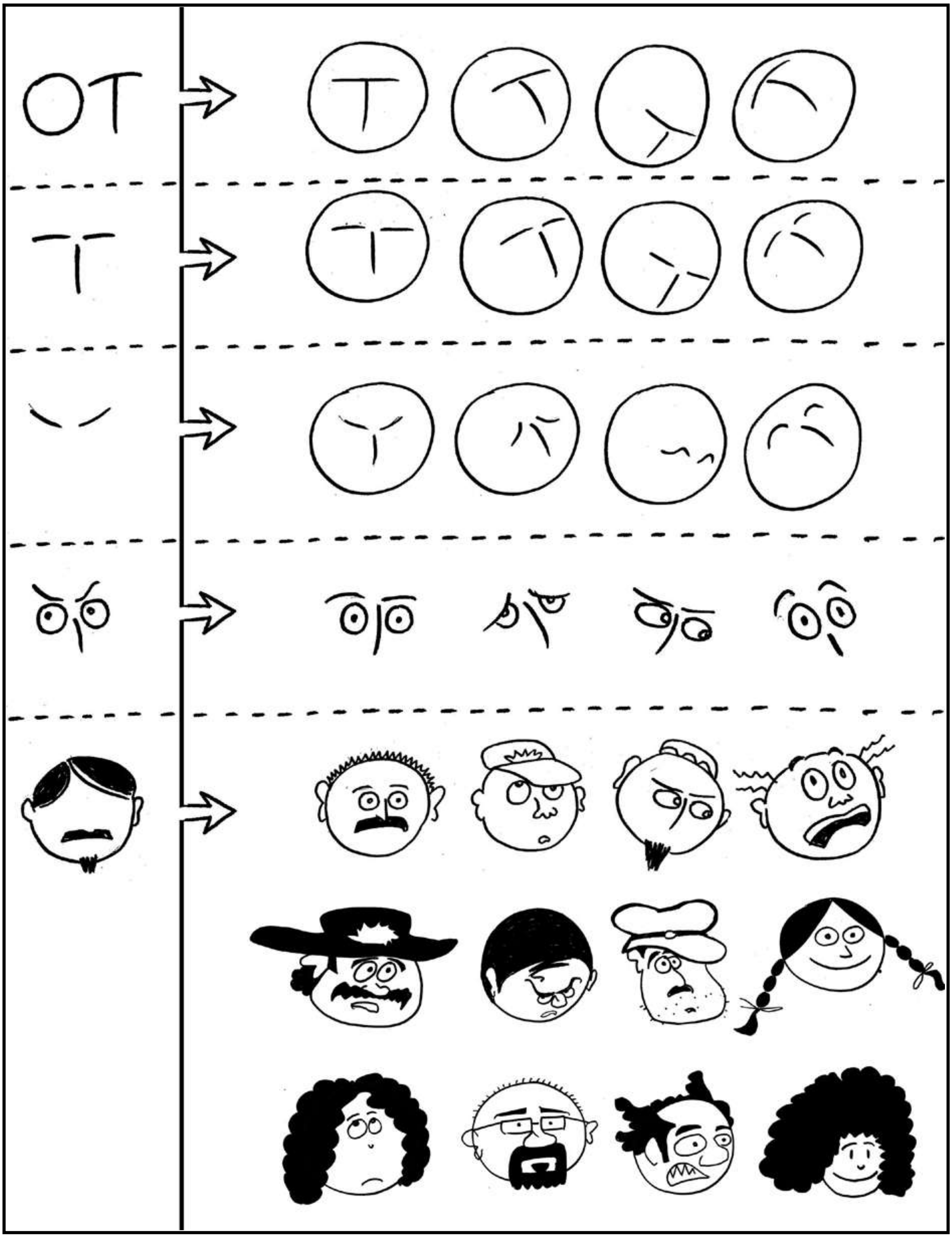

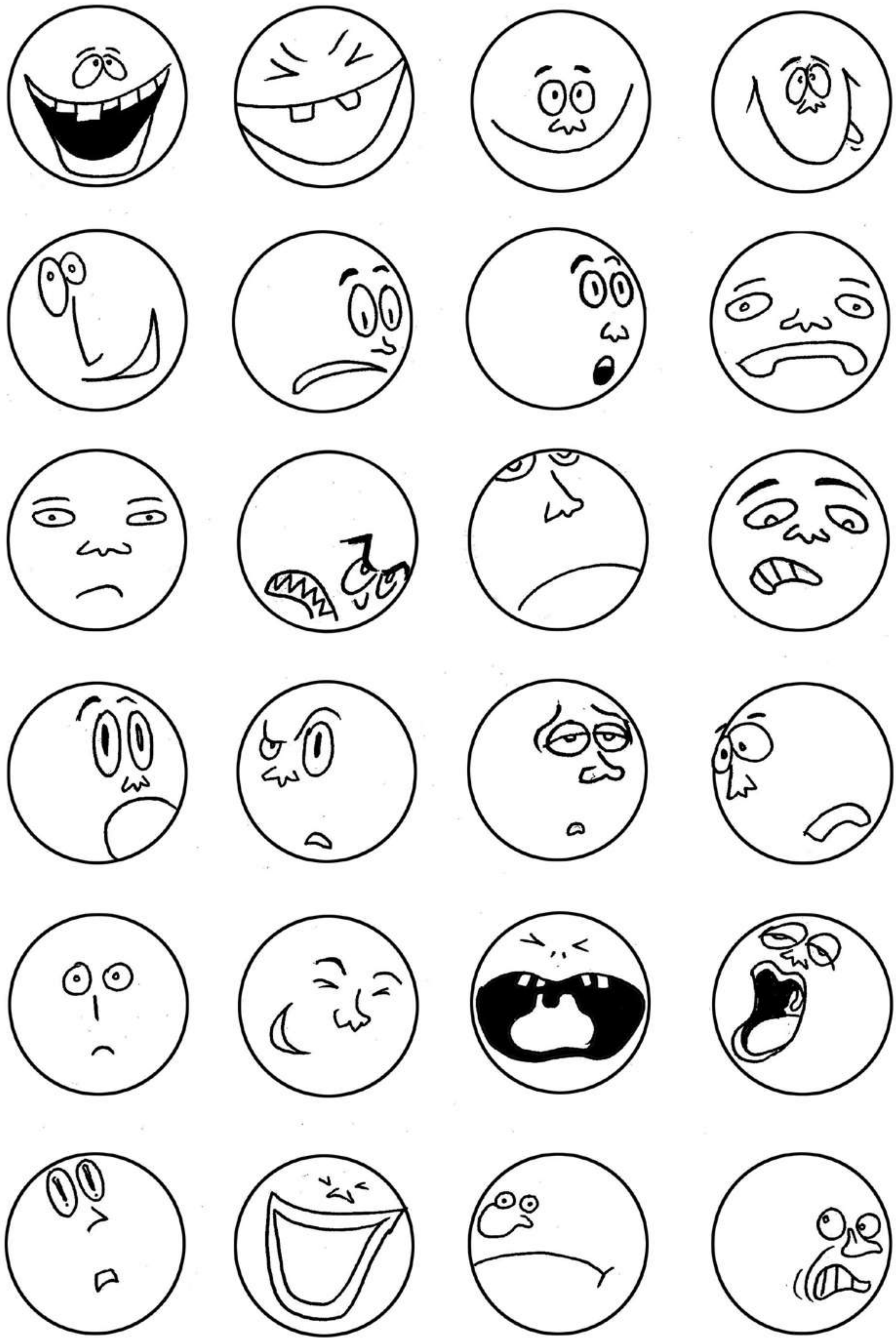

सबसे पहले हमे मानव की आकृति के बारे में समझना होगा। जैसा कि चित्रों में दिखाया गया है मानव के पूरे शरीर की लम्बाई उसके 7 सिरों के बराबर होती है। अब इस तकनीक का इस्तेमाल करके शरीर की कुछ और आकृतियां बनाते हैं।

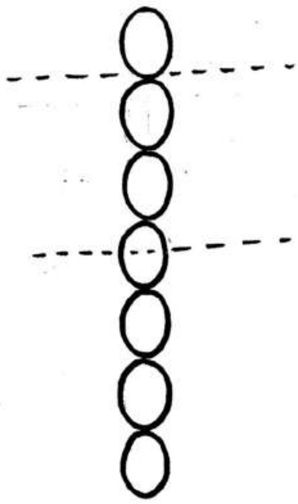

1 = सिर

2 ½ = शरीर

3 ½ = शरीर का निचला हिस्सा

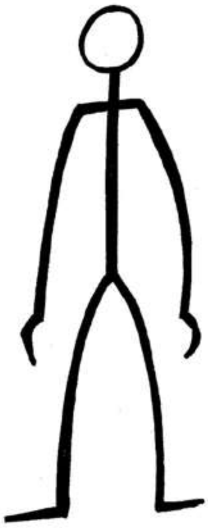

इस तकनीक का इस्तेमाल करके मानव आकृति कुछ इस प्रकार दिखाई देगी।

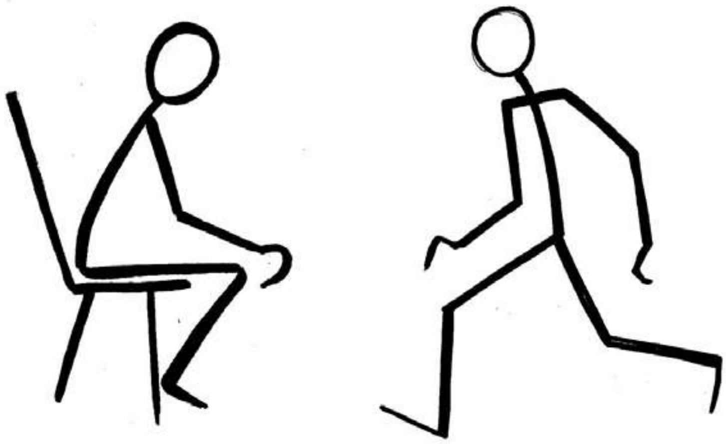

इस तकनीक के प्रयोग से विभिन्न शारीरिक मुद्राएं बनाना आसान हो जाता है। अब इस मानव आकृति पर मांस और कपड़े बनाए और देखें कैसे यह आकृति एक पूर्ण मानव के रूप में बदल जाती है।

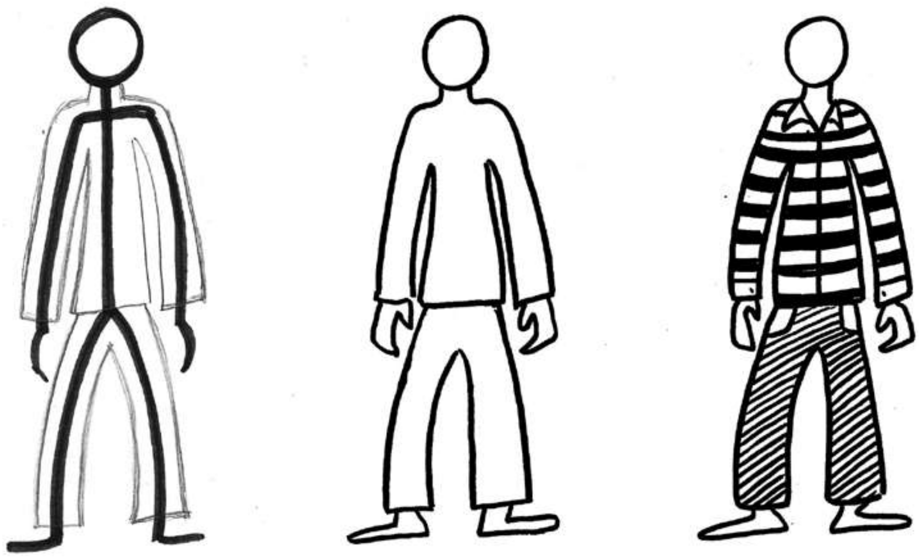

इस तकनीक की सहायता से आप विभिन्न प्रकार की शारिरिक मुद्राओं को बना सकते हैं। यहां कुछ शारिरिक मुद्राओं और हाथों की विभिन्न स्थितियों को दर्शाया गया है।

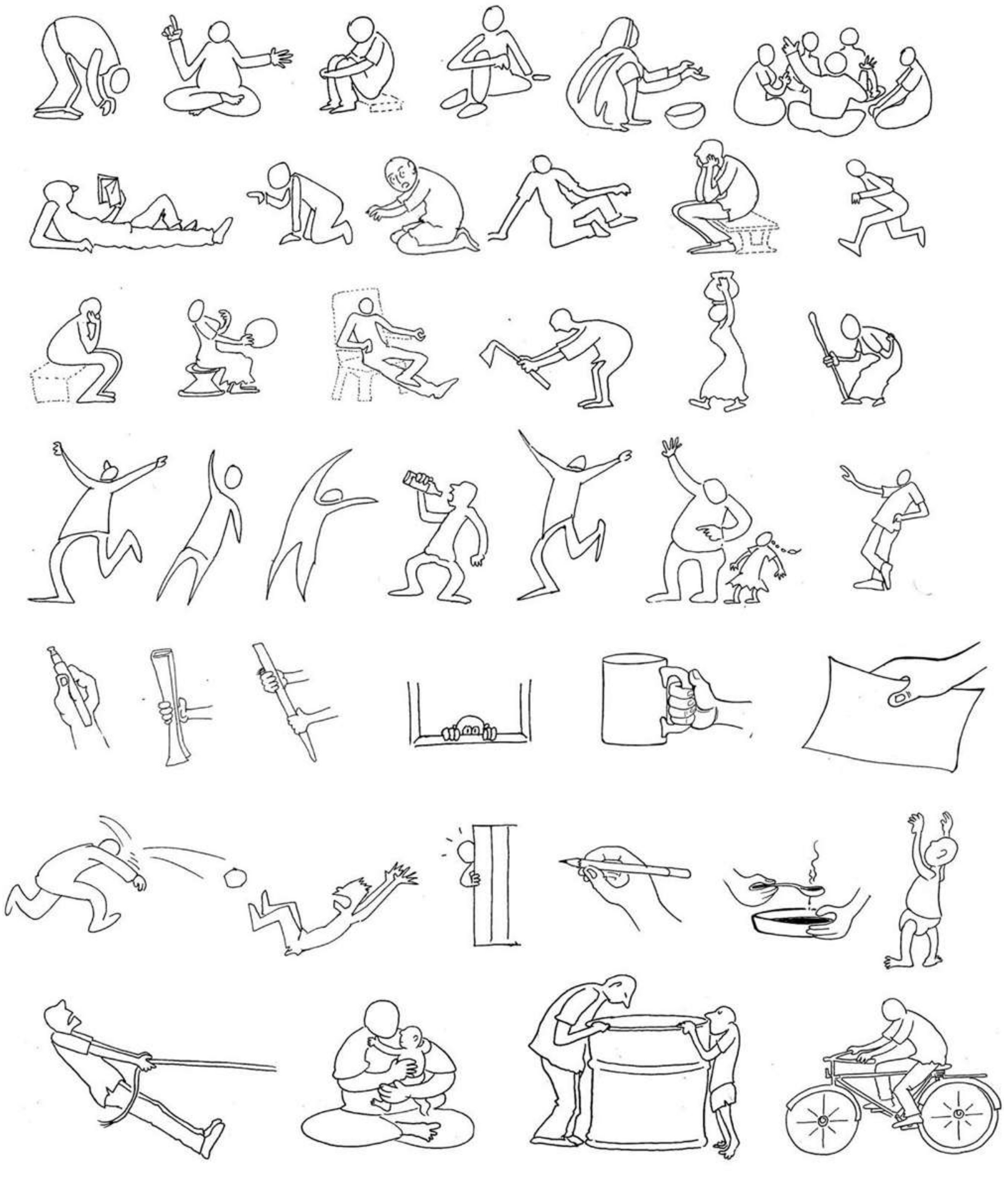

दक्षिण एशिया से आए बच्चों के लिए आयोजित कॉमिक्स कार्यशाला के दौरान विभिन्न भाषाओं के अनुवादकों की जरुरत थी। जब कार्यशाला में चित्रों का अभ्यास शुरु हुआ तो ये अनुवादक खुद को कॉमिक्स बनाने से नहीं रोक पाए। उनमें से एक सौरभ श्रेष्ठ ने बाद में नेपाल में स्वंय अनेक कॉमिक्स कार्यशालाएं संचालित कीं।

कहानी को 4–भागों में बांटना

हमारी अंतिम कॉमिक्स चार पैनल वाला कॉमिक्स होगी। इसके लिए जरुरी है कि अब हम अपनी कहानी को चार भागों में बांट लें। प्रत्येक भाग को बाद में एक–एक पैनल पर चित्रित किया जाएगा।

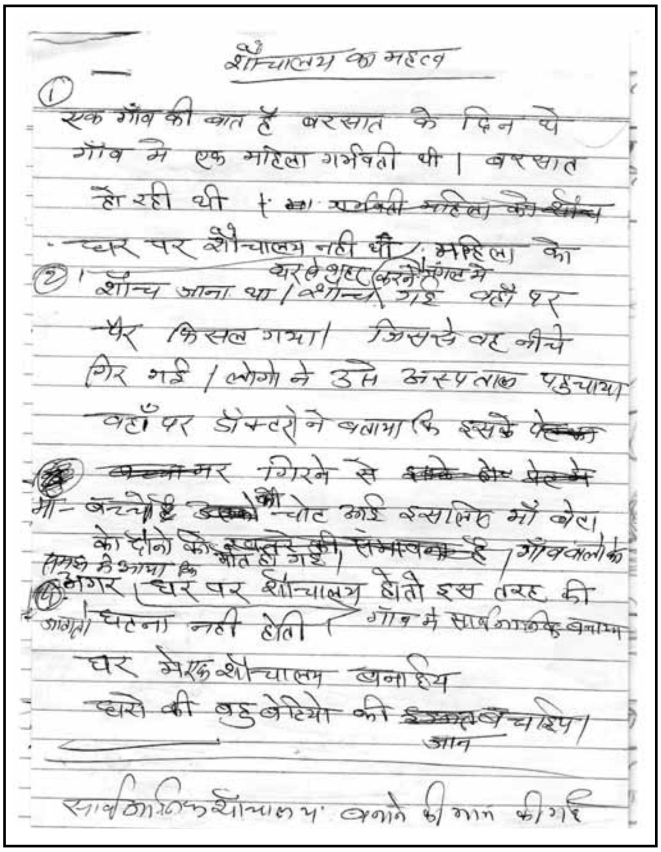

शौचालय का महत्व

(1) एक गाँव की बात है बरसात के दिन थे गाँव मे एक महिला गर्भवती थी। बरसात हो रही थी। घर पर शौचालय नही थी। महिला को

(2) शौच जाना था। शौच करने जंगल मे गई वहाँ पर पैर फिसल गया। जिससे वह नीचे गिर गई। लोगो ने उसे अस्पताल पहुचाया वहाँ पर डॉक्टरो ने बताया कि इसके गिरने से

(3) माँ-बच्चो की चोट आई इसलिए माँ बेटा को दोनो की मौत हो गई। गाँववालो के समझ मे आया कि

(4) अगर घर पर शौचालय होतो इस तरह की घटना नही होती। गाँव मे सार्वजनिक बनाया जाता

घर मे एक शौचालय बनाइये

घरो की बहु बेटियो की जान बचाइए।

सार्वजनिक शौचालय बनाने की माग की गई

कहानी को इस प्रकार बांटा जाता हैं–

1 कहानी की शुरुआत
2 घटनाक्रम
3 घटनाक्रम, नाटकीयता
4 कहानी का अंत, संदेश

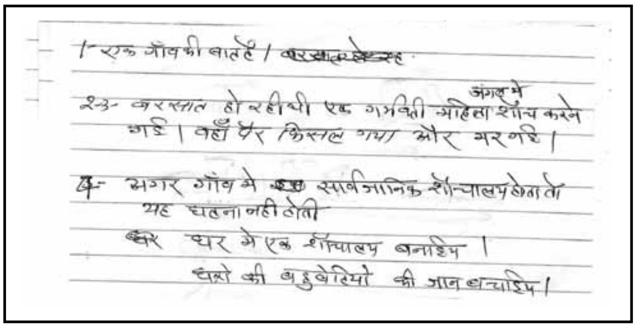

1- एक गाँव की बात है।

2-3- बरसात हो रही थी एक गर्भवती महिला जंगल मे शौच करने गई। वहाँ पैर फिसल गया और मर गई।

4- अगर गाँव मे सार्वजनिक शौचालय होता तो यह घटना नही होती

घर घर मे एक शौचालय बनाइये।

घरो की बहुबेटियो की जान बचाइए।

उपरोक्त आधार पर कहानी को 4–भागों में बांटा गया है

इस कलाकार ने पहले भाग में लिखा था एक गांव था, लेकिन ध्यान रहे कि पहले ही भाग में कहानी आगे बढ़नी चाहिए इसलिए यहां परिवर्तन किया गया है

कहानी के प्रत्येक भाग एक दूसरे से जुड़ाव होना जरुरी है। कहानी को बांटते समय यह बात जरुर ध्यान रखें

एक A-4 कागज पर आप इस प्रकार चार खानें (पैनल) बनाकर उसमें अपना कच्चा चित्र बनाएं।

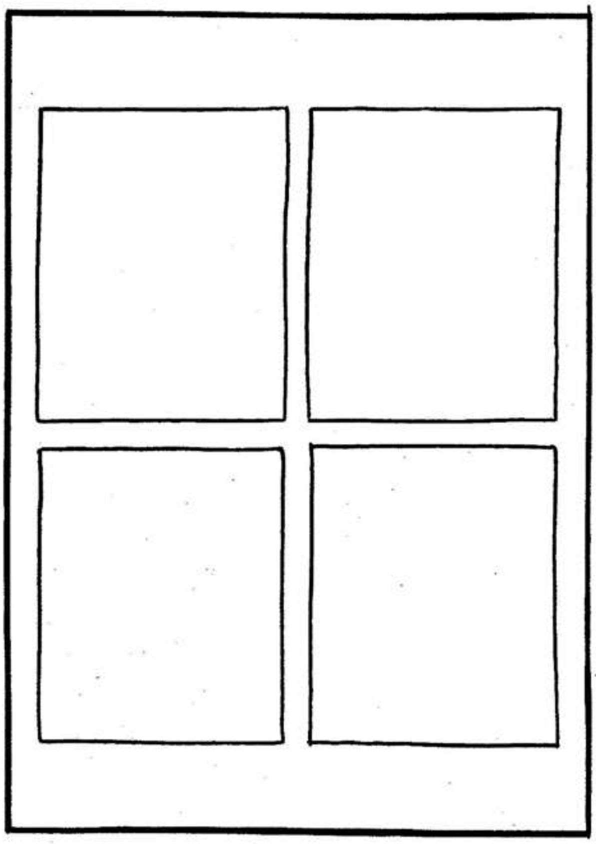

आपका कच्चा चित्र कुछ इस प्रकार दिखाई देगा।

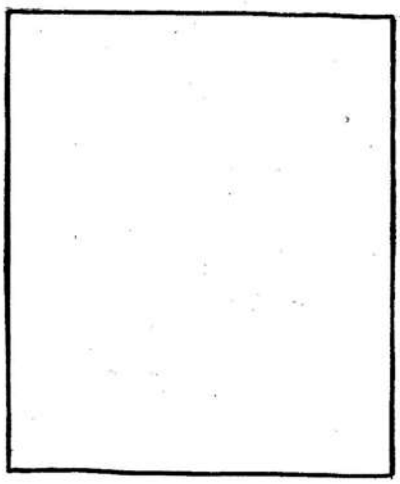

यह एक पैनल है।

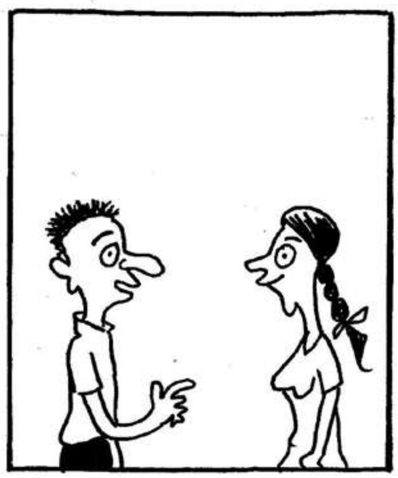

यह पैनल का निचला भाग है आपको यहां कहानी के मुख्य पात्रों को बनाना है।

यह पैनल का उपर का भाग है, यहां पात्रों के संवाद को लिखा जाएगा।

वह जानकारी जो चित्रों में दिखाई गई है, उन्हें शब्दों में न दोहराए।

बोलने वाला
गुब्बारा

सोचने वाला
गुब्बारा

चिल्लाने वाला
गुब्बारा

फुसफुसाने वाला
गुब्बारा

जब बहुत से लोग एक ही
बात कह रहे हो।

अगर कोई व्यक्ति दायीं ओर है और वह
पहले बोल रहा है तो उसका संवाद उपर
होगा।

कहानी के विस्तार के लिए बॉक्स

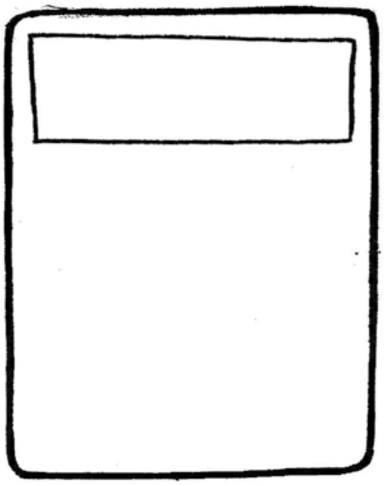

समय अवधि के बॉक्स

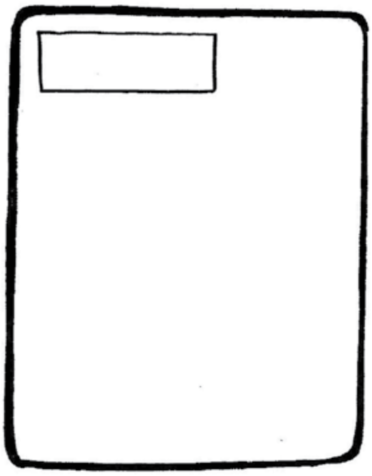

नोटिस या कोई विशेष सूचना

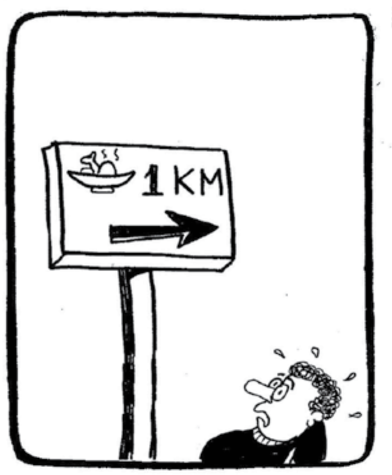

पढ़ने का क्रम **:** कॉमिक्स को पढ़ने का क्रम पहले बांए से दांए और फिर उपर से नीचे होता है। यह नियम उन भाषाओं में अलग होता है जो दांए से बांए लिखी जाती है जैसे अरबी और उर्दू। अगर संवाद बहुत विशेष हो उसे पैनल में विशेष स्थान दिया जा सकता है।

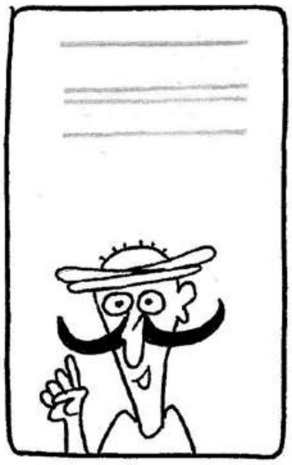

सबसे पहले पेंसिल की सहायता से सीधी लाईनें खीचें।

अपने संवाद को इन लाईनों के बीच लिखे।

गुब्बारा बनाएं और अब स्याही से लिखें।

पेंसिल की लाईनों को मिटा दें।

अगर आप किसी खास बात पर पाठक का ध्यान खींचना चाहते हैं तो उन शब्दों को बड़ा लिखें।

संवादों और नोटिस बोर्ड की लिखावट को इस प्रकार अलग–अलग बनाया जा सकता है।

कॉमिक्स में हम सामान्यतः दो सतहों पर कार्य करते हैं – पृष्ठभूमि और अग्रभूमि । अग्रभूमि पैनल का सामने वाला भाग होता है जिसमें हम अपनी कहानी के मुख्य पात्रों को दिखाते हैं, वहीं पृष्ठभूमि इन पात्रों के पीछे का स्थान होता है जहां उस जगह से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी जाती है।

यहां कुछ और उदाहरण दिये गये हैं जिनसे आप पृष्ठभूमि के महत्व को आसानी से समझ सकते है यहां तीनों खानों में अग्रभूमि की स्थिति एक जैसी है जबकि पृष्ठभूमि लगातार बदलती जा रही है। पाठक आसानी से समझ सकते हैं पहले खाने में पात्र एक कमरे में हैं, दूसरे खाने में पात्र गांव में तथा तीसरे खाने में पात्र शहर में दिखाई दे रहे हैं।

यहां कुछ अन्य उदाहरणों के जरिये खानों में अग्रभूमि और पृष्ठभूमि की जानकारी दी गई है।

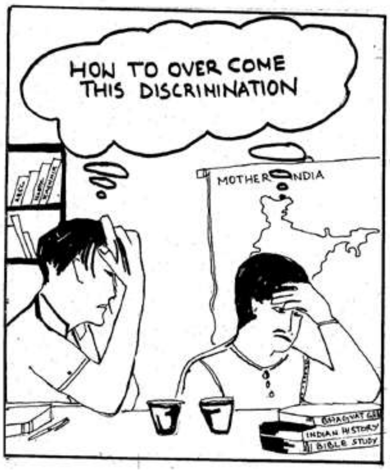

हम उन गलतियों को सीखेगें जो सामान्यतः लोग अपनी दृश्य कथा बनाते समय करते हैं। इस अभ्यास के बाद आप इन गलतियों को दोहराने से बच सकते हैं।

पात्रों के नाम उनके ऊपर न लिखें।

आप उनके नाम संवादों में दे सकते हैं।

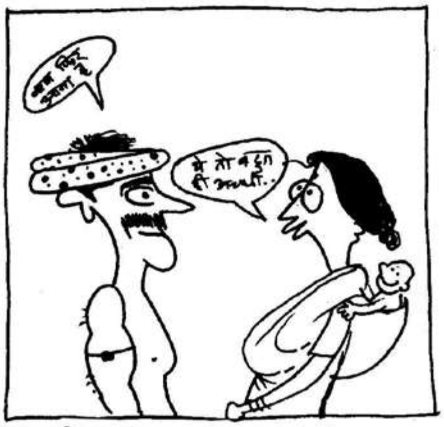

पात्रों के बीच मे गुब्बारे न बनाएं।

गुब्बारे को ऊपर और सीधी लकीरों में बनाएं।

जो पहले बोलेगा वो बाएं होना चाहिए..।

पहले सवाल आएगा और फिर जबाव लिखा जाएगा।

अपने पात्र की आकृति और उसके कपड़े में बहुत ज्यादा परिवर्तन न करें

अगर पात्र के कपड़े एक ही तरह के होंगे तो पाठकों का उन्हें पहचानना कहीं ज्यादा आसान होगा

यह वॉल पोस्टर कॉमिक्स का अंतिम मापजोख है। आपको दो A–4 आकार के कागज पर इसी प्रकार का मापजोख बनाना है।

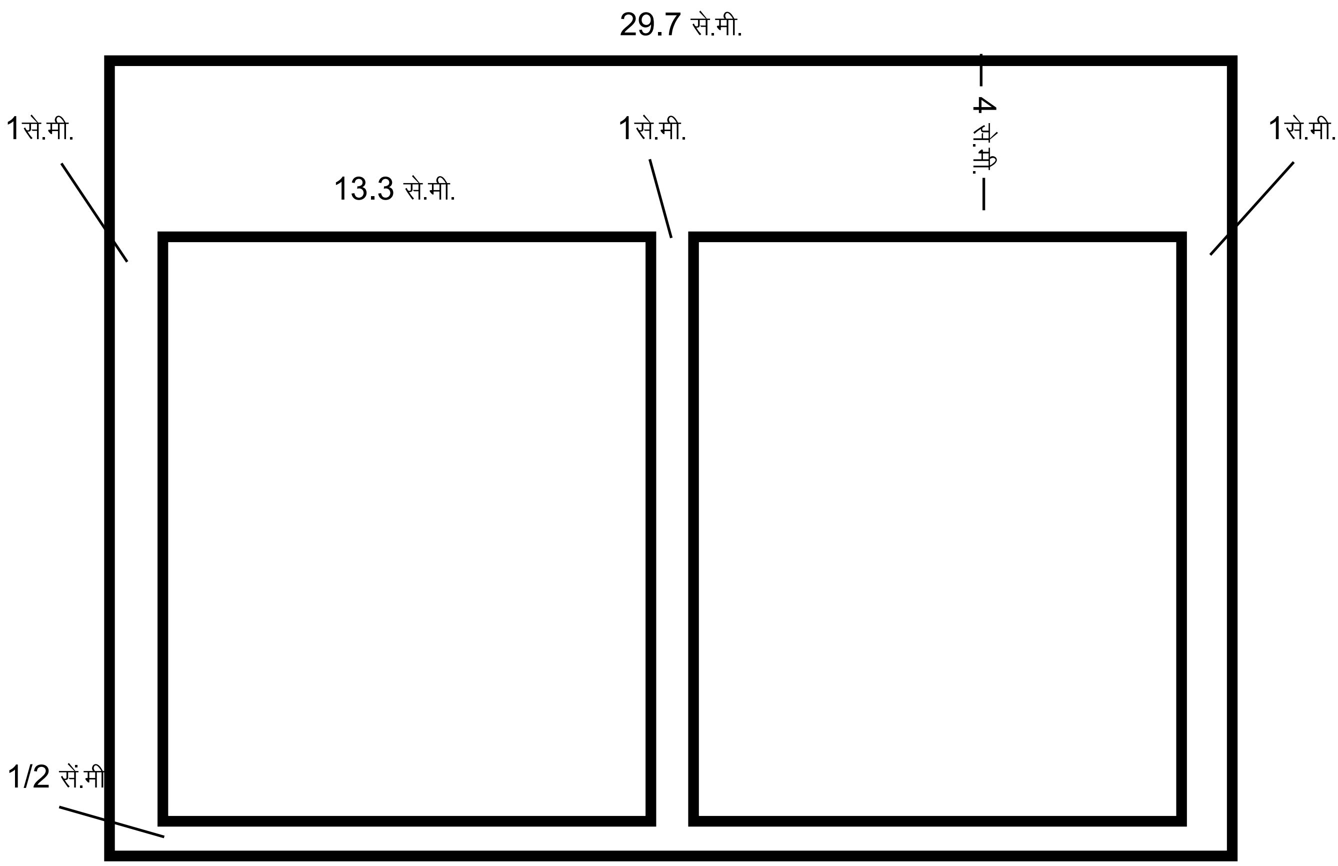

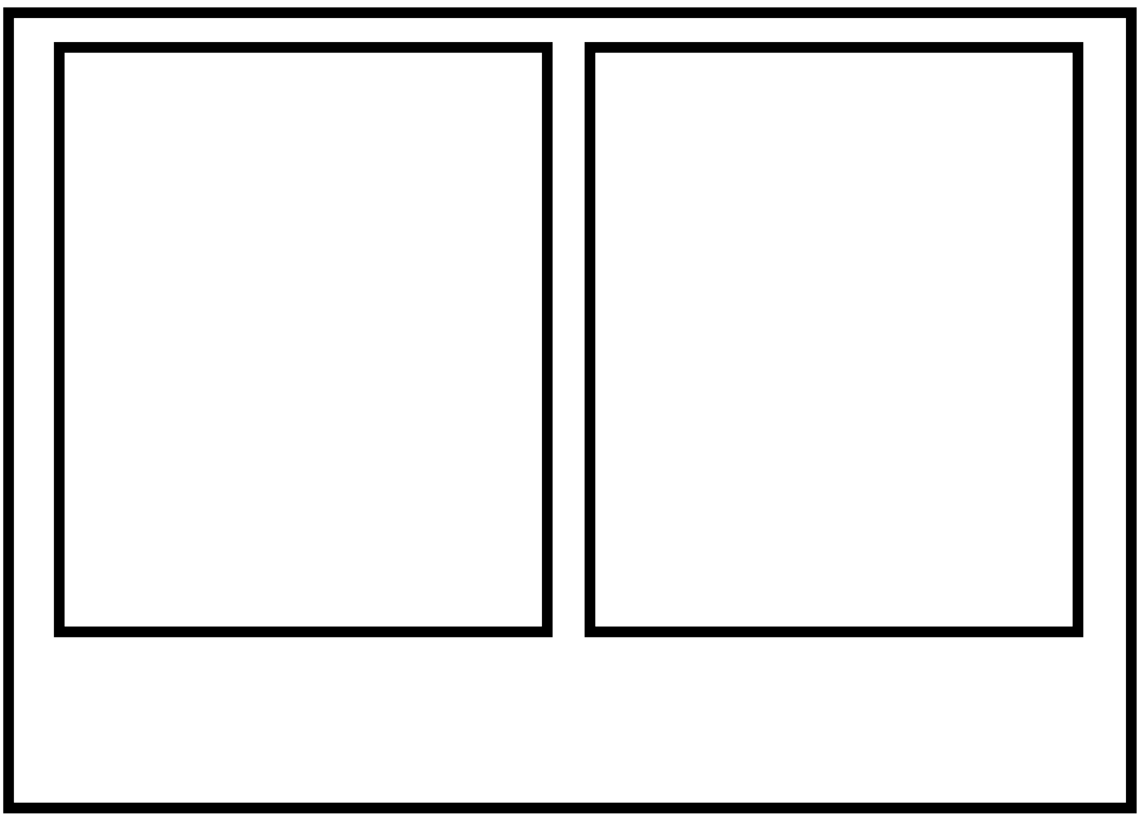

क्लोज शॉट

जब आपको पात्र के चेहरे की भावनाएं दिखानी है तो आप इस फ्रेम का प्रयोग कर सकते हैं।

मिड शॉट

यह साधारणतः प्रयोग में आने वाला शॉट है जब दो लोग आपस में बात कर रहे हो तो इस स्थिति में यह अधिकांशतः प्रयोग किया जाता है।

लॉग शॉट

इस दृश्य में जब पात्रों के आस पास वातावरण व पृष्ठभूमि को दिखाना महत्वपूर्ण हो तब इस शॉट का प्रयोग किया जाता है।

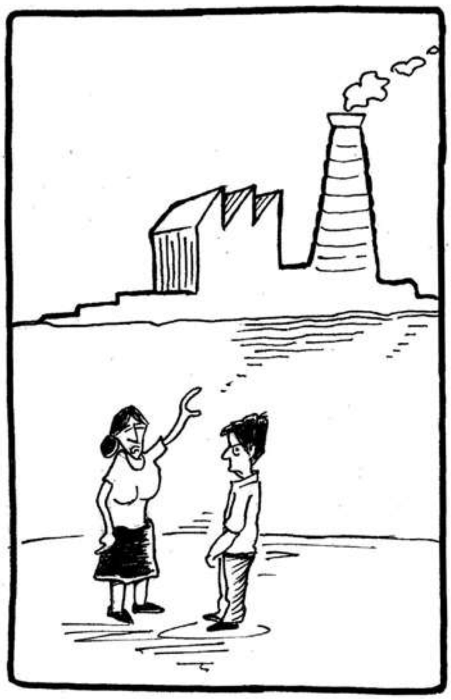

मिश्रित शॉट

इस शॉट में आप क्लोज और लॉग शॉट का प्रयोग करके पैनल में गहराई और विविधता दिखा सकते हैं।

अपने पात्रों के वास्तविक भाव को बनाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है कि उस स्थिति को स्वयं करके देखें और फिर बनाएं। इसे समझने के लिए नीचे दिखाए गये क्रम को देखें।

परछाई कॉमिक्स में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है विशेषतः कहानी में समयावधि दिखाने के लिए। यह किसी एक खास पैनल को आकर्षक भी बनाता है।

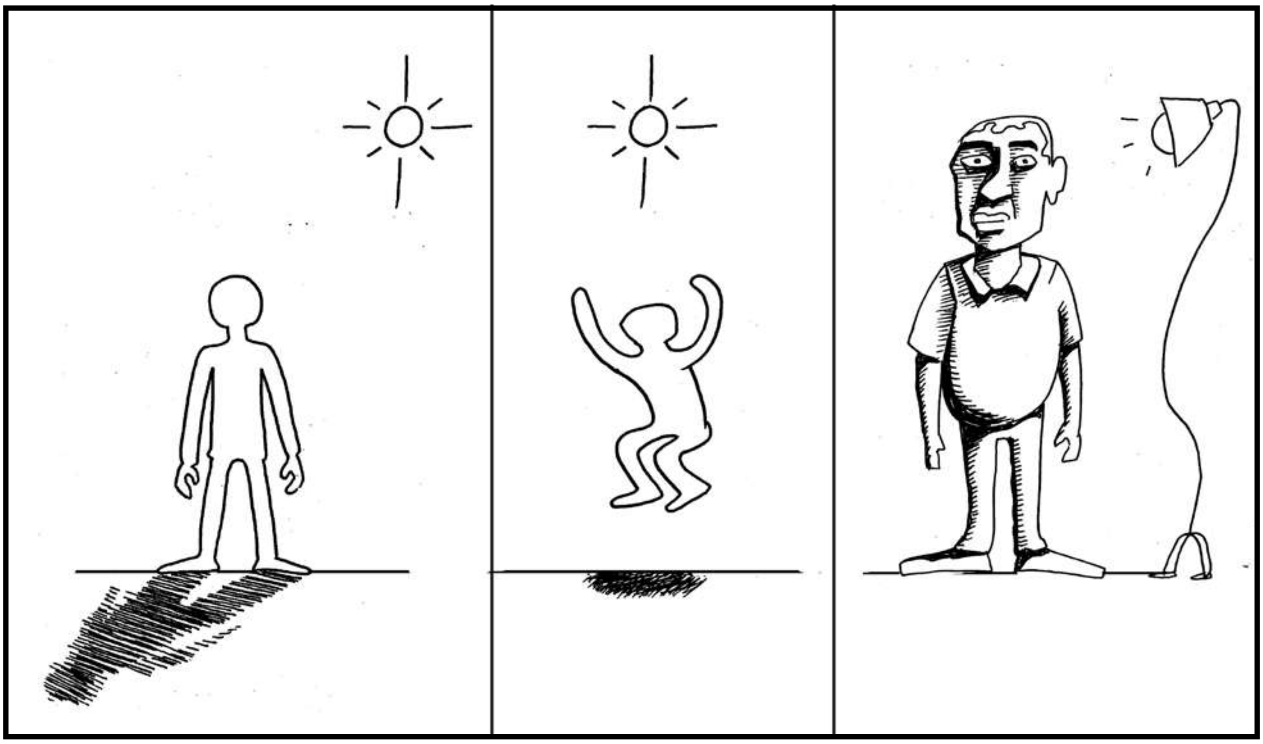

यहां ये दो उदाहरण आपको यह समझने में मदद करेंगे कि कैसे पैनल में गहराई तथा परिदृश्य को दिखाया जाए।

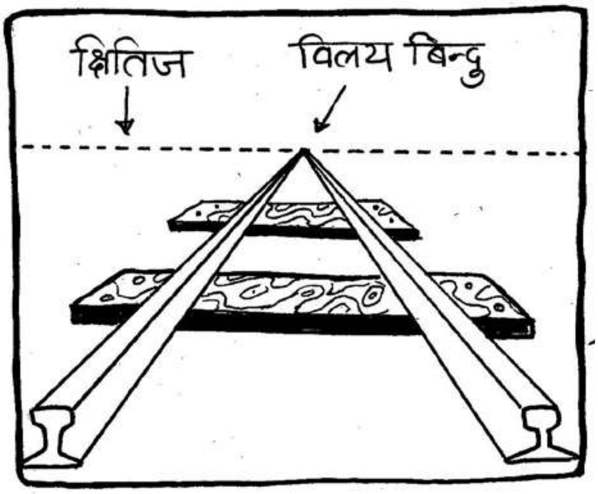

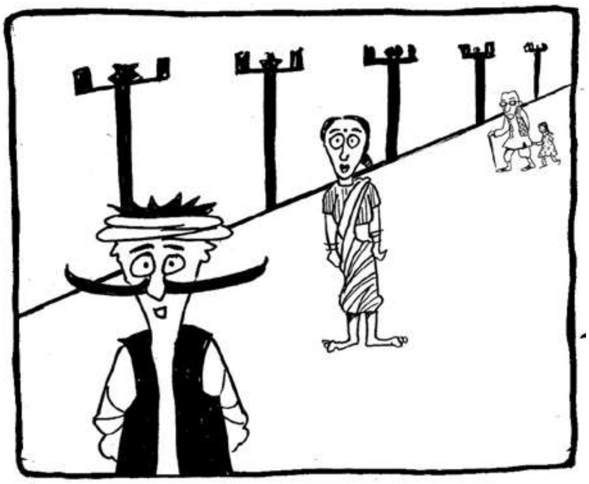

अक्सर लोगों की राय होती है कि कॉमिक्स का मतलब चित्र होता है और वे बिना कहानी सोचे चित्र बनाना शुरु कर देते हैं। ब्राजील में आयोजित ऐसी ही कार्यशाला के दौरान एक प्रतिभागी के साथ यही हुआ। पहले दो दिन वह चित्र बनाने में ही व्यस्त था, तीसरे दिन उसने पाया कि सिर्फ उसकी कॉमिक्स ही बाकी है, जबकि सभी की पूरी हो चुकी थी। बाद में हम सब को मिलकर उसके चित्रों को एक कहानी में ढ़ालने के लिए खासी मेहनत करनी पड़ी।

कॉमिक्स में हम आवाज और सुगंध को महसूस नहीं कर सकते, लेकिन हम इन्हें कुछ खास लाईनों के द्वारा दिखा सकते हैं। इन लकीरों से पाठक का ध्यान एकदम उस विशेष स्थान पर खींचा जा सकता है।

कहानी का कच्चा चित्र तैयार होने के बाद अब बारी हैं इन्हें काली स्हायी से पक्का करने की। पहले चित्रों को और फिर लिखे हुए शब्दों को काला करें।

यह पेंसिल के द्वारा बनाया गया कच्चा चित्र है।

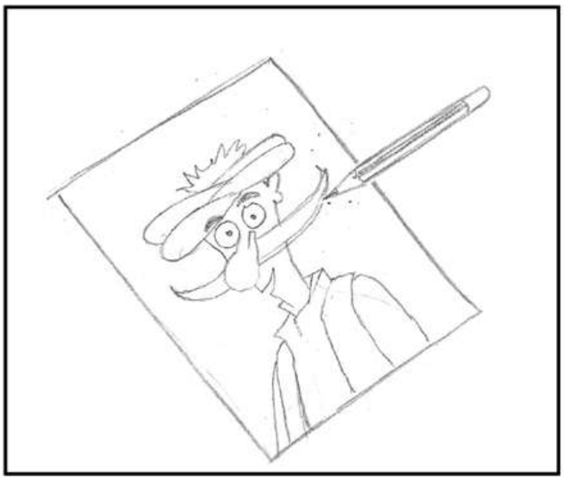

आप अपने चित्र को इस तरह एक अन्य कागज को उपर रख कर सुरक्षित रख सकते है।

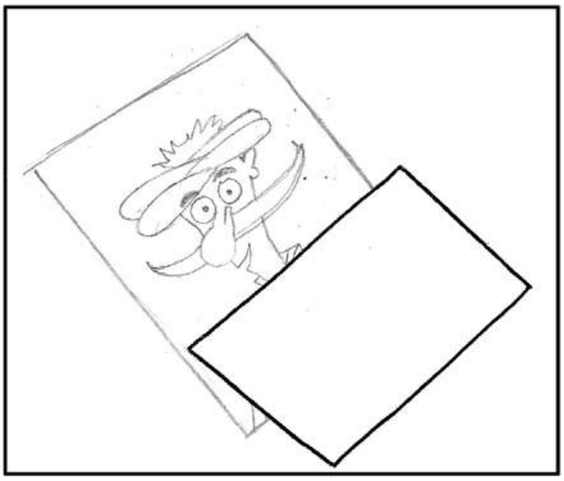

अब पेन लें और चित्रों की बाहरी लाईनों को काला करें।

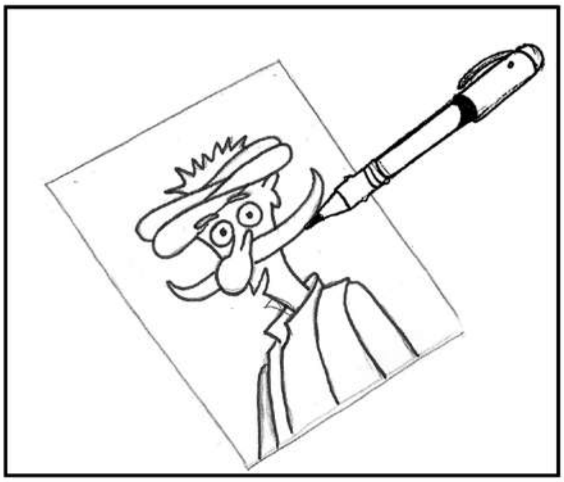

अब कपड़ो की डिजाईन आदि बनाएं।

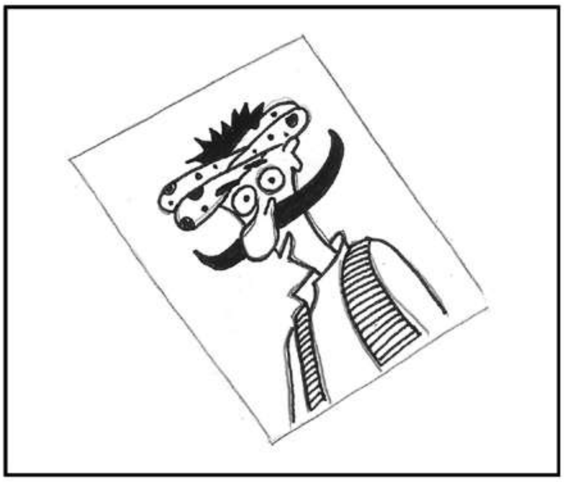

पैंसिल की रेखाओं को मिटाएं।

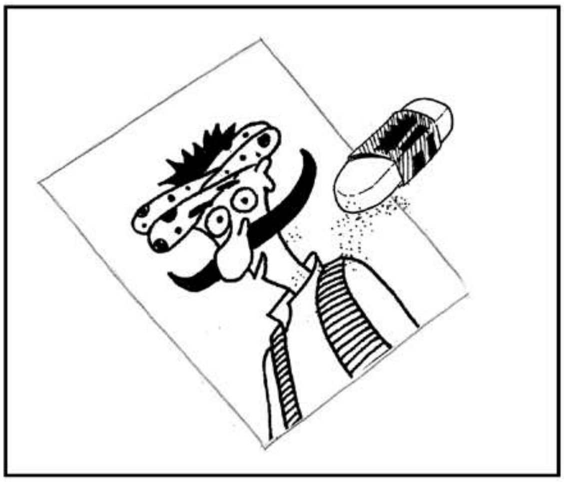

आपका फाईनल चित्र तैयार हैं।

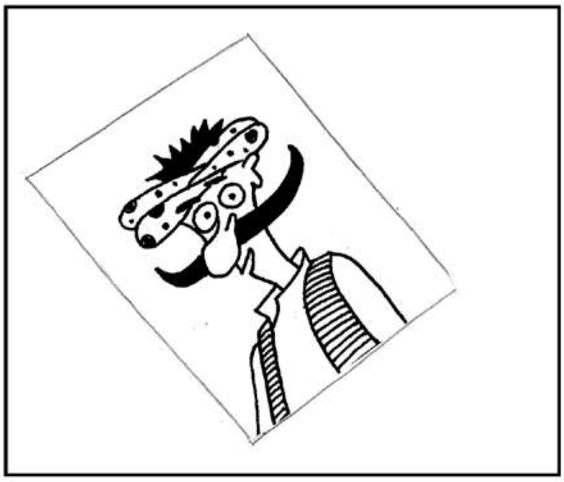

1. यह जरूरी है कि शीर्षक छोटा व आकर्षक हो। यह पूरी कहानी को ही न कह दे।
2. शीर्षक, पाठक के दिमाग में कहानी के प्रति उत्सुकता जगाने वाला होना चाहिए।
3. शीर्षक का आकार इतना बड़ा होना चाहिए कि वह दूर से ही स्पष्ट दिखाई दे।
4. नीचे दिखाए अनुसार आप शीर्षक को आकर्षक बनाने के लिए चित्रों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

जब आपकी कॉमिक्स पूरी हो जाए तो दोनो कागजों को एक साथ सेलोटेप की मदद से पीछे से चिपका दें।

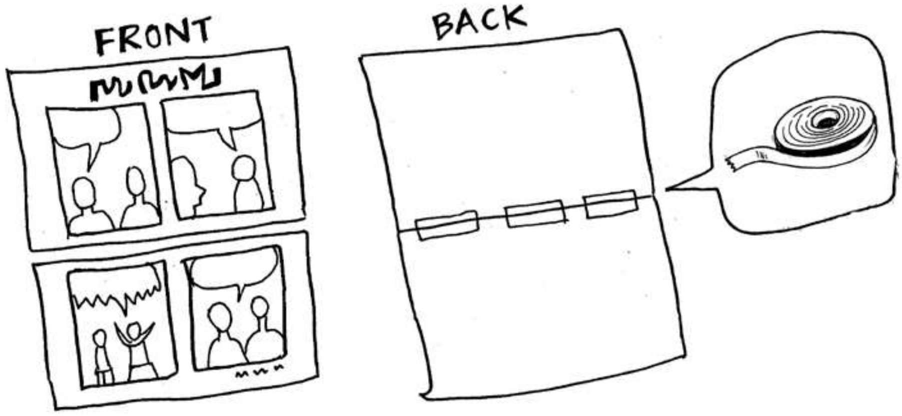

अब इसे पास की फोटोकॉपी की दुकान पर ले जाएं और जितनी चाहे फोटोकॉपी करवा लें।

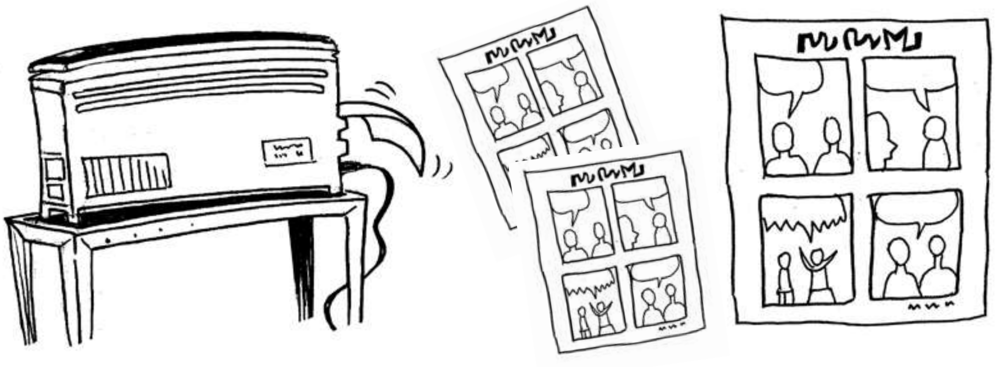

वितरण

अब आपके पास फोटोकॉपी तैयार है यह अच्छा होगा कि आप इसे लोगों को दिखाएं। आप इसे नजदीक के किसी गांव या समूह में ले जाने की योजना बना सकते हैं। एक या दो व्यक्ति उस गांव, समुदाय या बाजार कमेटी के पास पहले ही पहुंचकर इस बारे में उन्हें सूचित कर इजाजत ले सकते हैं।

कुछ सावधानियां:

1. हर व्यक्ति अपनी बनाई हुई कॉमिक्स पर 5–7 लोगों की राय जरूर लें।
2. यह अच्छा होगा कि आप अपने साथ नोटबुक ले जाएं।
3. अपने कॉमिक्स को दिखाने के बाद आप इसे दीवार या किसी अच्छे स्थान पर चिपका सकते हैं।
4. हमेशा चिपकाने से पहले अनुमति जरूर ले लें।
5. सरकारी दफ्तर और किसी धार्मिक स्थान पर पोस्टर कभी न चिपकाएं।
6. कॉमिक्स की विषयवस्तु पर लोगों से बहस में न पड़ें, आपका कार्य यहां सिर्फ पोस्टर पर लोगों की राय लेना है।

हर प्रतिभागी के पास कॉमिक्स की 4–5 प्रति होनी चाहिए। आपके पास टेप या कोई चिपकाने वाला पदार्थ अवश्य होना चाहिए।

एक कार्यशाला के दौरान, जोरहाट, असम में हम कॉमिक्स को वितरित करने एक गांव पहुंचे। जब प्रतिभागियों ने सेलोटेप की मदद से कॉमिक्स को दीवारों व पेड़ों में चिपकाने की कोशिश की तो पाया कि टेप काम नहीं कर रहा। यह नजारा वहां एक महिला ने देखा और वह तुरन्त ही घर के अन्दर गई और आटे की लई बना कर प्रतिभागियों को दी। जाहिर था, कॉमिक्स पढ़कर उन्हें लगा कि कॉमिक्स में महत्वपूर्ण सूचना है और इसे दीवार पर चिपका होना चाहिए।

केवल A-4 आकार के कागज ही क्यों ?

केवल A-4 आकार के कागज ही क्यों ?

क्योंकि ये हर जगह उपलब्ध होता है यहाँ तक की सुदुर गाँव में भी..

..और लगभग हर जगह A-4 आकार की फोटोकापी मशीन उपलब्ध रहती है ।

ये कॉमिक्स काले सफेद ही क्यों ?

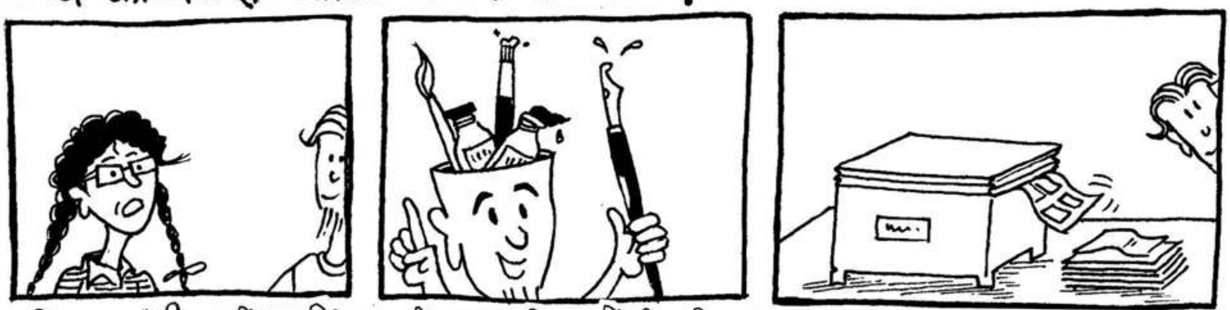

इन्हें हम रंगीन क्यों नहीं बनाते ?

काले कलम से बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होगी..!

... और इन्हें फोटोकॉपी करना भी आसान होता है ।

ये कॉमिक्स चार बक्सों की ही क्यों होते हैं ?

कलाकार होना जरूरी क्यों नहीं ?

ये कलाकारों द्वारा बनाए गये कॉमिक्स से कैसे अलग हैं ?

स्थानीय व्यक्ति अपने संस्कृति, रिवाज, पहनावे और आस-पास के दृश्यों को बेहतर जानते हैं ।

स्थानीय मुहावरे और हास्य इन कॉमिक्स की ताकत होती है ।

सभी कॉमिक्सों को इकटठा कीजिए तथा उन्हें समालोचना सत्र के लिए दीवार पर लगाएं।

कॉमिक्स का मूल्यांकन निम्न बिन्दुओं के आधार पर किया जा सकता है।

1. कहानी
2. संदेश
3. कॉमिक्स का प्रारूप
4. पठनीयता
6. काले व सफेद का प्रयोग
7. शीर्षक

नोट

1. सभी कॉमिक्सों को हमेशा एक ही दीवार पर लगाएं तथा सुनिश्चित करें कि वे सभी को दिखाई दें।
2. कॉमिक्स बनाने वाले प्रतिभागी अपनी कॉमिक्स को एक–एक करके पढ़ें तथा प्रशिक्षक उस पर अपनी राय दें।
3. प्रशिक्षक यह ध्यान रखें कि वह हर कॉमिक्स में कुछ न कुछ सकारात्मक बातें जरूर बताएं।
4. रचनाकार अपनी कॉमिक्स पर स्थानीय लोगों की राय को भी सभी के साथ बांट सकते हैं।

अदनान सत्तार, *लाहौर, पाकिस्तान वर्ष 2006 में आयोजित कॉमिक्स कार्यशाला का एक प्रतिभागी था। वह अपनी कॉमिक्स के चित्रों से खुश नहीं था। हमने उसे पूर्व में कार्यकर्ताओं द्वारा बनाए गए कॉमिक्स दिखाई कि कैसे साधारण चित्रों की मदद से भी कहानी कही जा सकती हैं, और उनके कॉमिक्स कई पुस्तकों में भी प्रकाशित हुई हैं। अदनान ने जल्दी में अपनी कॉमिक्स को पूरा किया और शाम की बस से गांव रवाना हो गया। बाद में जब समालोचना सत्र के दौरान सभी कॉमिक्सों को दीवार पर चिपकाया गया और लोगों से पूछा गया कि सबसे ज्यादा उन्हें कौनसी कॉमिक्स आकर्षित करती है तो उनका जवाब था, अदनान की।*

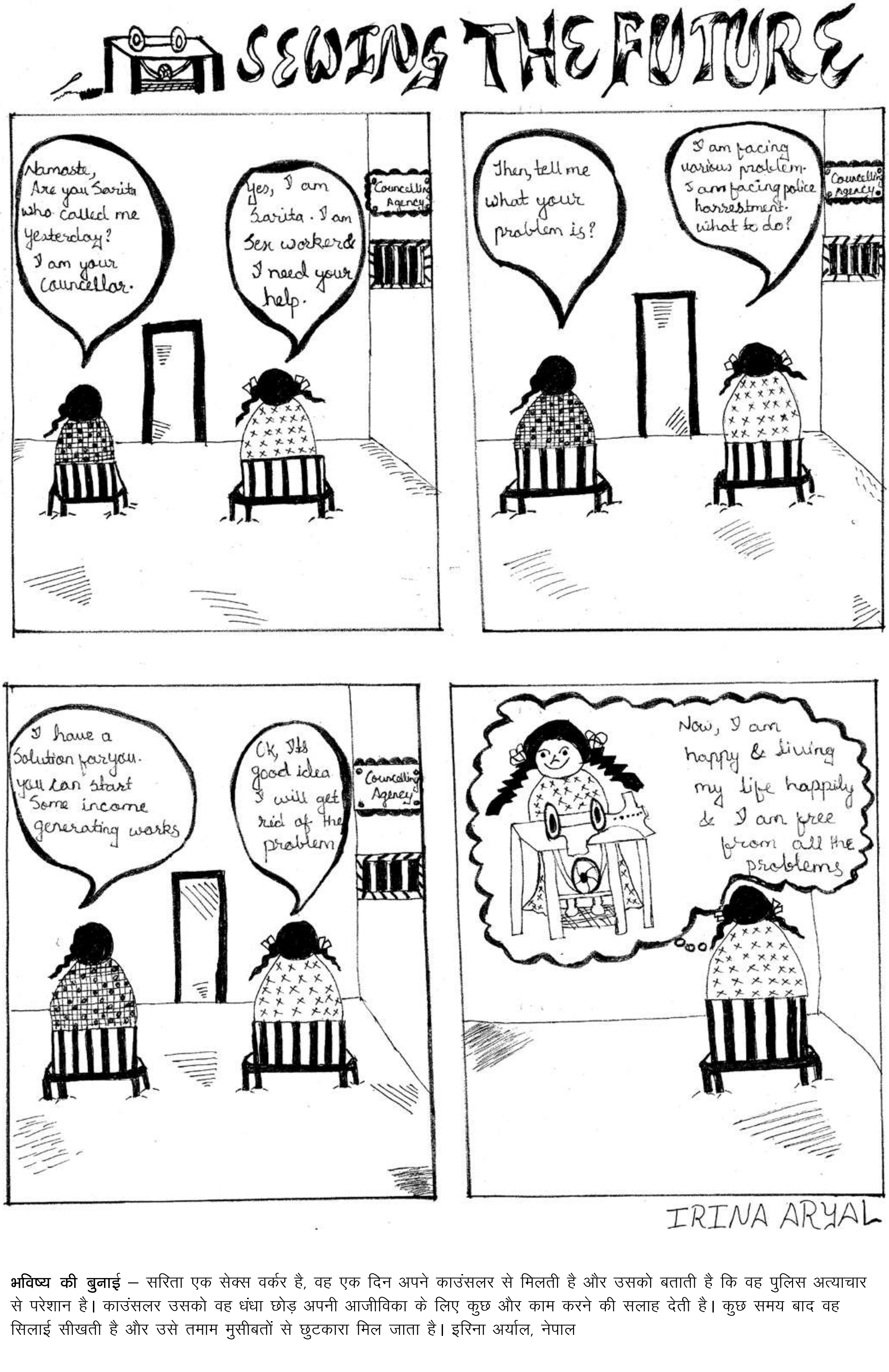

भविष्य की बुनाई – सरिता एक सेक्स वर्कर है, वह एक दिन अपने काउंसलर से मिलती है और उसको बताती है कि वह पुलिस अत्याचार से परेशान है। काउंसलर उसको वह धंधा छोड़ अपनी आजीविका के लिए कुछ और काम करने की सलाह देती है। कुछ समय बाद वह सिलाई सीखती है और उसे तमाम मुसीबतों से छुटकारा मिल जाता है। इरिना अर्याल, नेपाल

जंगल के पास बसे एक गांव के लोग फॉरेस्ट ऑफिसर के पास हाथियों द्वारा गांव में मचाए उत्पात की शिकायत लेकर पहुंचते हैं। ऑफिसर उन्हें बिना किसी आश्वासन के लौटा देता है। एक दिन घर लौटते समय हाथी उसी की कार को तोड़ उसे घायल कर देते हैं। वह सोचता है कि काश की उसने समय पर कार्यवाही की होती। सुजीवा जयविक्रमा, श्रीलंका

खाना तैयार है क्या ?

World Comics India
B-20-S, Delhi Police Apartments,
Mayur Vihar Phase-1, Delhi-91, India
www.worldcomicsindia.com, www.comicsjournalism.com
mail@worldcomicsindia.com
Phone:011-22750250, 9811702925